टोमी उंगेरर

क्रिक्टर



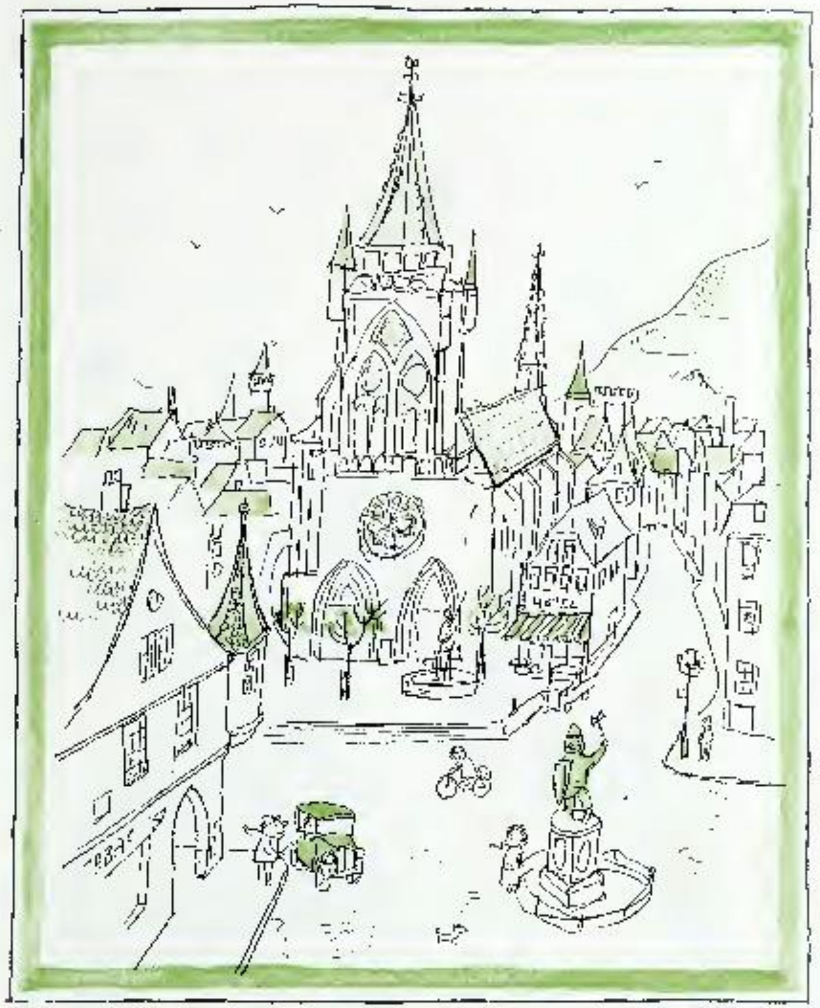
हिंदी: छाया भदौरिया

टोमी उंगेरर

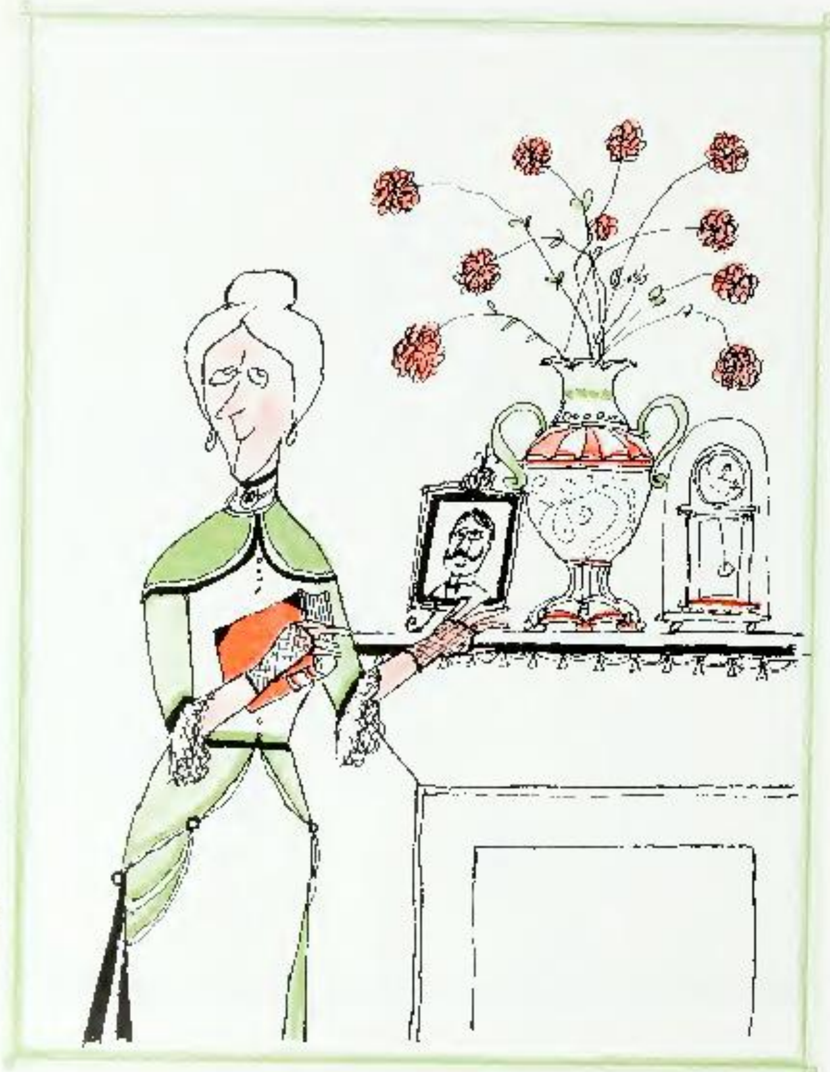
क्रिक्टर



हिंदी: छाया भदौरिया



एक बार की बात है, एक छोटे से फ्रांसीसी शहर में..



.. एक बूढ़ी औरत रहती थी

जिसका नाम था मैडम लुईस बोडोट।

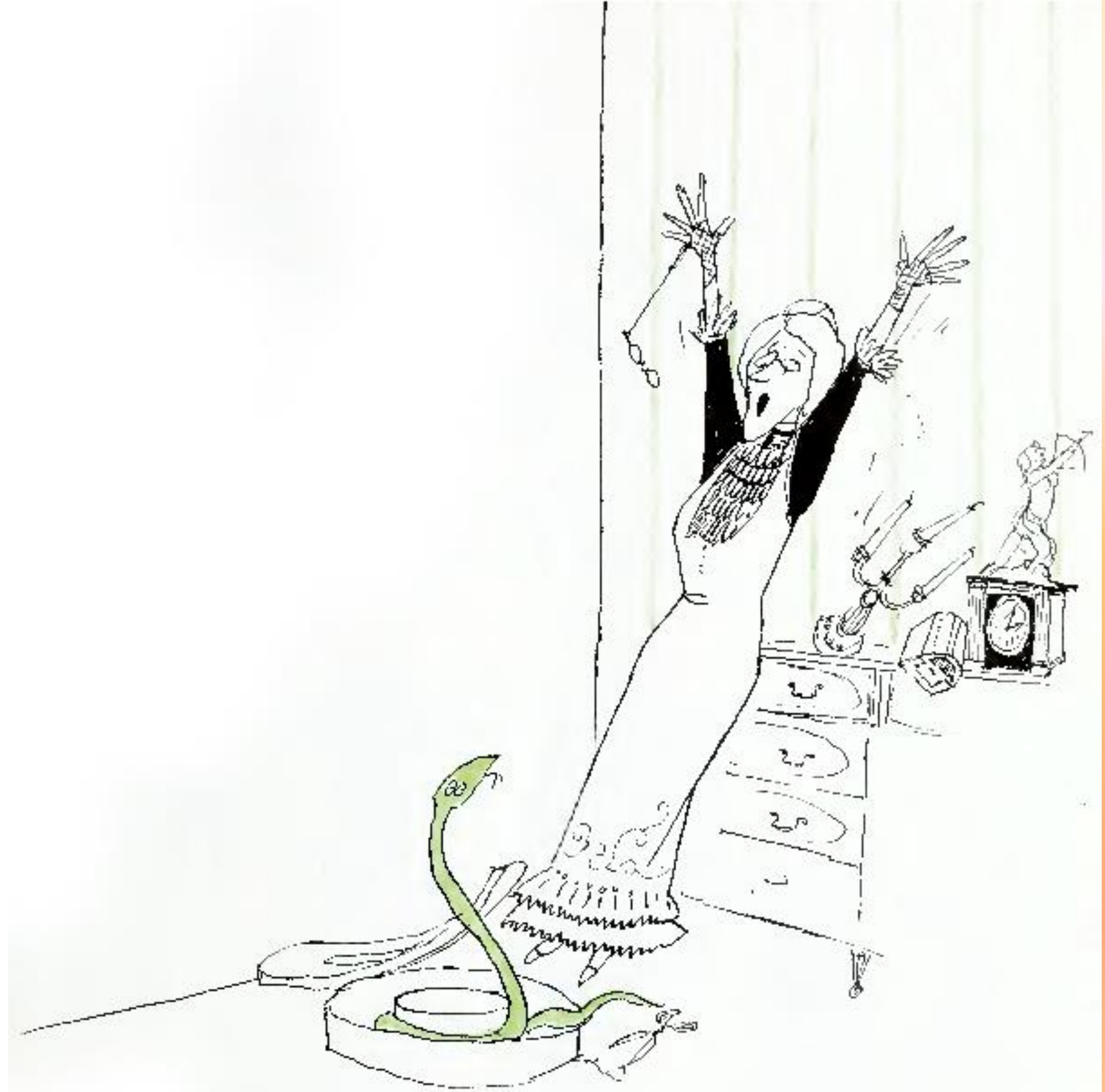


उसका एक बेटा था जो अफ्रीका में

सरीसृपों का अध्ययन कर रहा था।



एक सुबह डाकिया उसके लिए एक
अजीबोगरीब ओ-आकार का डिब्बा लाया।



मैडम बोडोट ने जब उसे खोला तो वो चीख पड़ीं।

यह एक साँप था

जिसे उनके बेटे ने उनके जन्मदिन पर भेजा था।



यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह कोई जहरीला साँप नहीं है, वह चिड़ियाघर गईं। उन्होंने उसे बोआ कंस्ट्रिक्टर के रूप में पहचाना। इसलिए उसने अपने जानवर का नाम क्रिक्टर रखा।



मैडम बोडोट ने अपने नए पालतू जानवर की देखभाल की और उसे बोतल से दूध पिलाया।



वे ताड़ के पेड़ खरीदकर लाईं जिससे क्रिक्टर को घर जैसा महसूस हो।

उसने खुश होकर अपनी दुम हिलाई जैसे, कुत्ते खुश होने पर करते हैं।

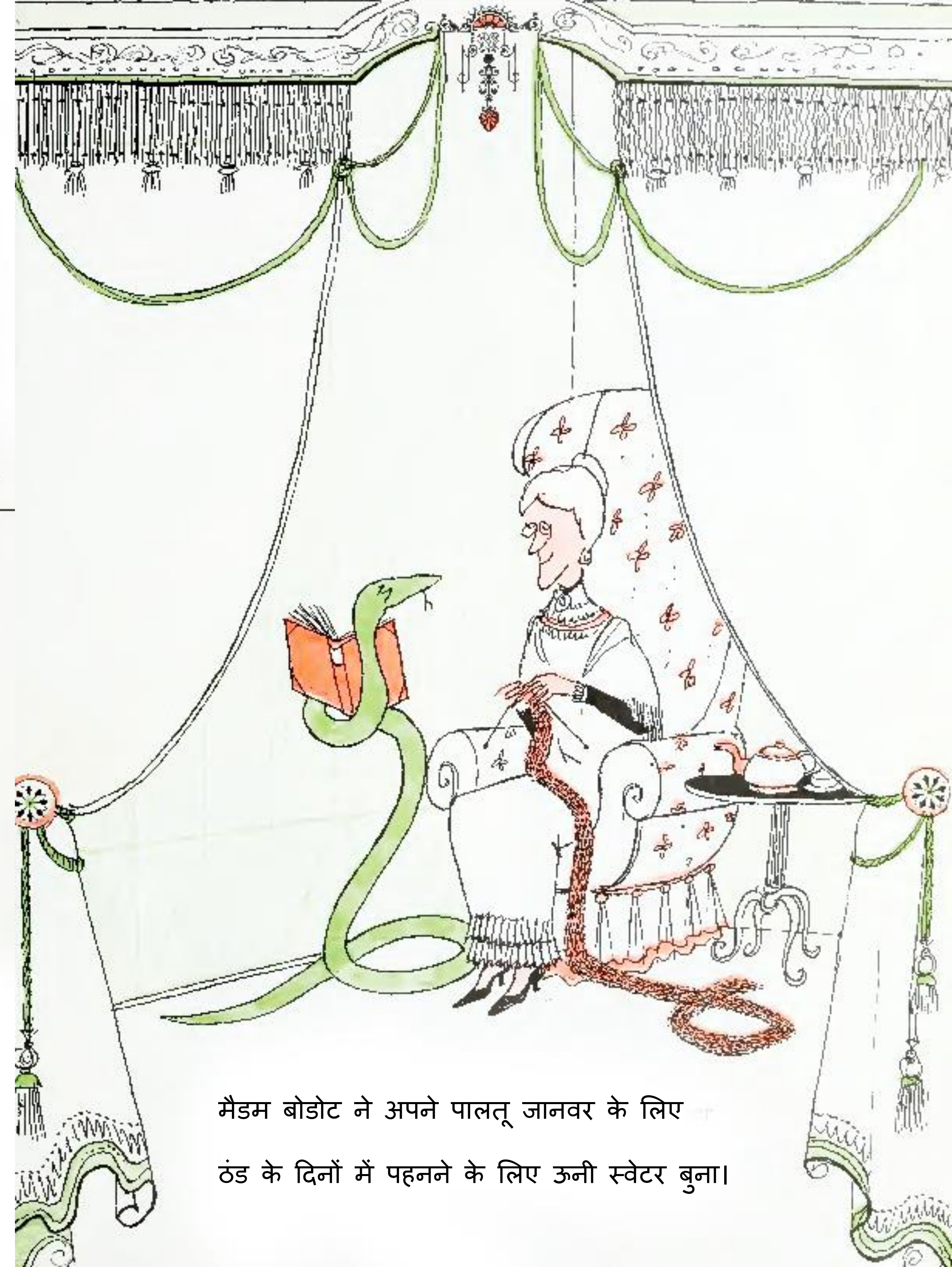


जब उसे ढंग से खिलाया-पिलाया गया

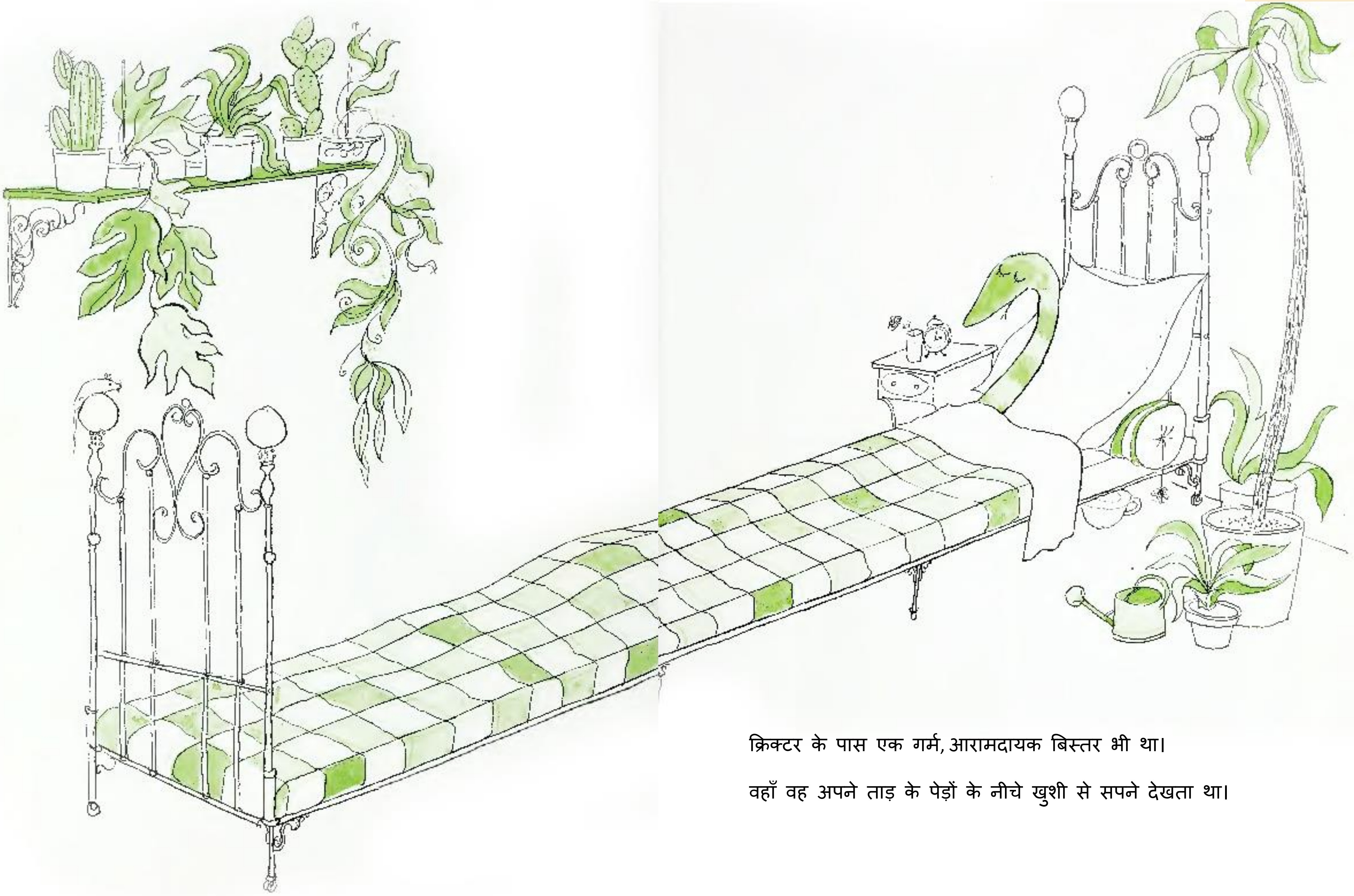
तो क्रिक्टर लंबा और मजबूत होता गया।



बोआ अपनी मालकिन के पीछे-पीछे जाता था जब भी वे खरीदारी करने जाती थीं। इसे देखकर हर कोई हैरान होता था।



मैडम बोडोट ने अपने पालतू जानवर के लिए ठंड के दिनों में पहनने के लिए ऊनी स्वेटर बुना।

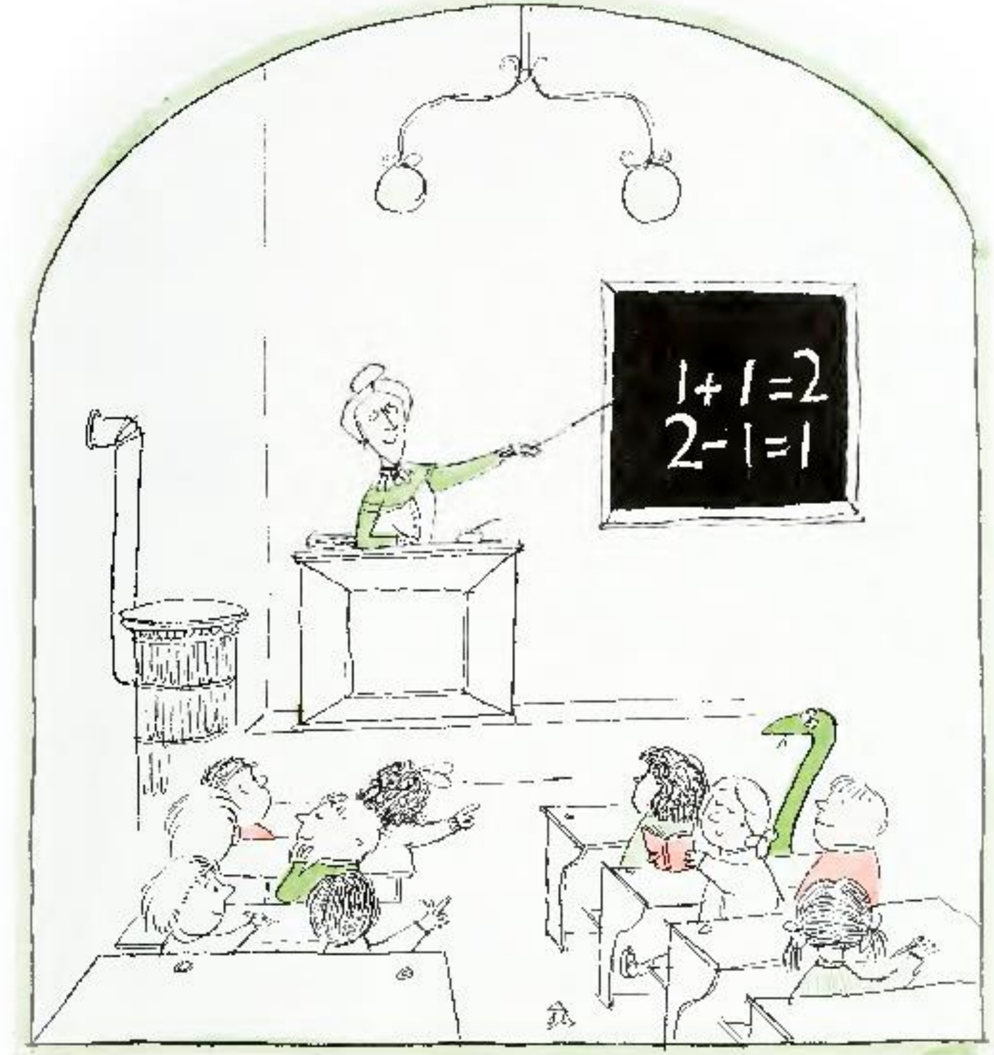


क्रिक्टर के पास एक गर्म, आरामदायक बिस्तर भी था।

वहाँ वह अपने ताड़ के पेड़ों के नीचे खुशी से सपने देखता था।



सर्दियों में क्रिक्टर को बर्फ में घूमने में मज़ा आता था।



मैडम बोडोट स्थानीय स्कूल में पढ़ाती थीं।

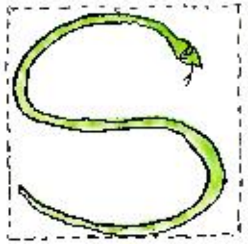
एक दिन उन्होंने क्रिक्टर को अपनी कक्षाओं में ले जाने का फैसला किया।

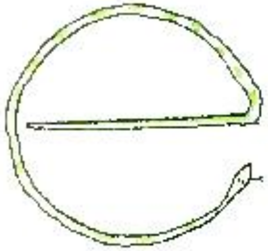
जल्द ही क्रिक्टर ने वर्णमाला को

अपने तरीके से आकार देना सीख लिया।

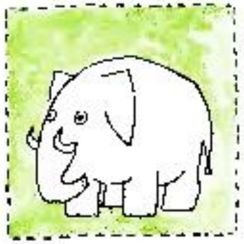


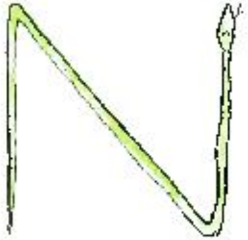
जैसे स्नेक में।



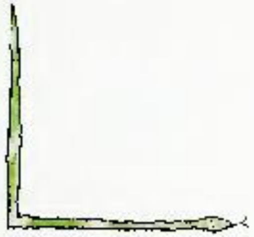


जैसे ऐलीफ़ैन्ट में।



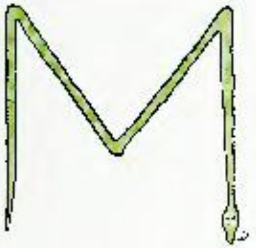


जैसे नथिंग में।



जैसे लायन में।





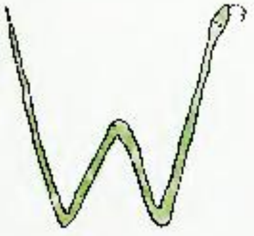
जैसे मैन में।



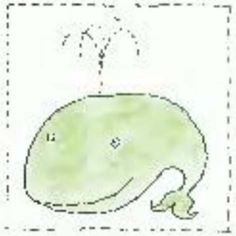


जैसे ग्लास में।

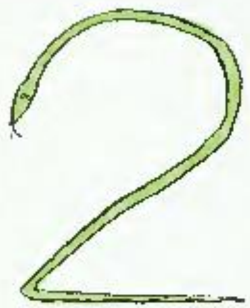




जैसे व्हेल में

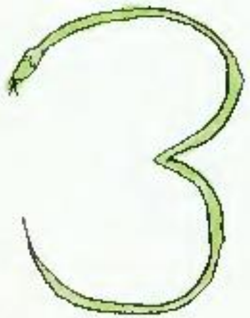


वह आकृतियाँ बनाकर गिन भी सकता था।



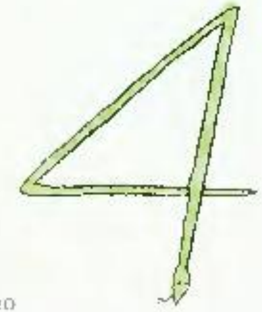
आपके दो हाथों के लिए





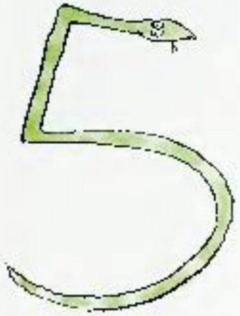
तीन छोटे सूअरों के लिए





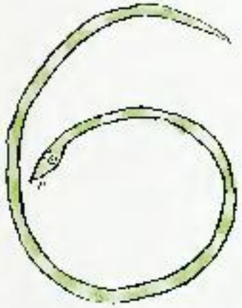
कुत्ते के चार पैरों के लिए



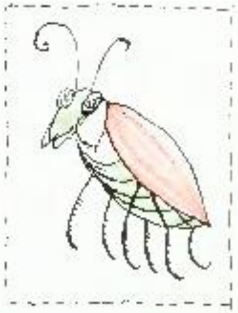


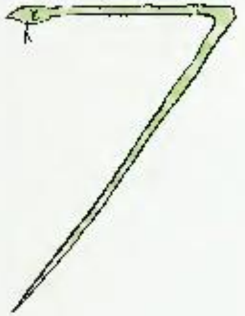
आपकी पाँच उँगलियों के लिए



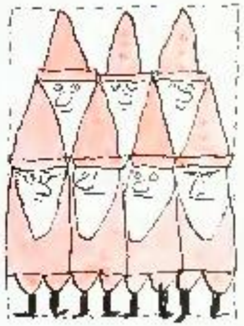


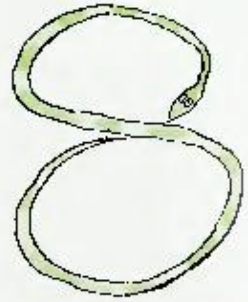
एक कीट के छह पैरों के लिए





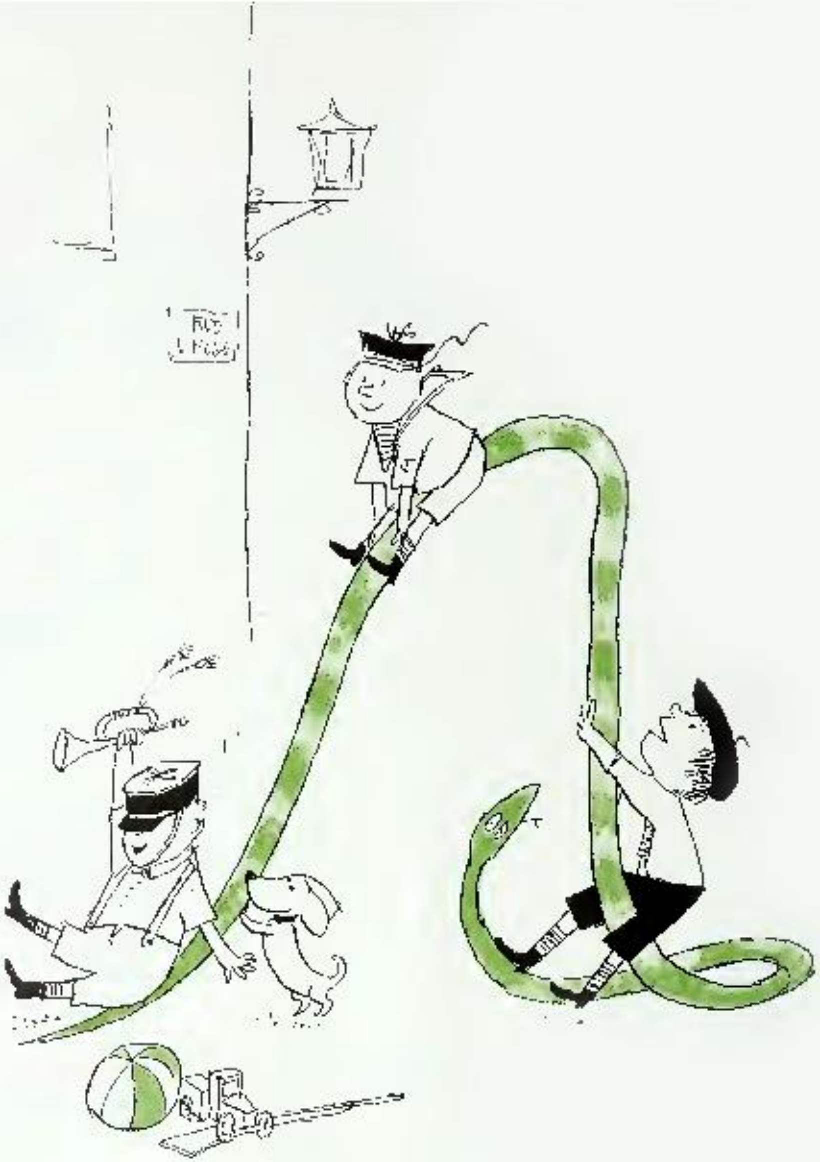
सात बौनों के लिए





ऑक्टोपस की आठ भुजाओं के लिए

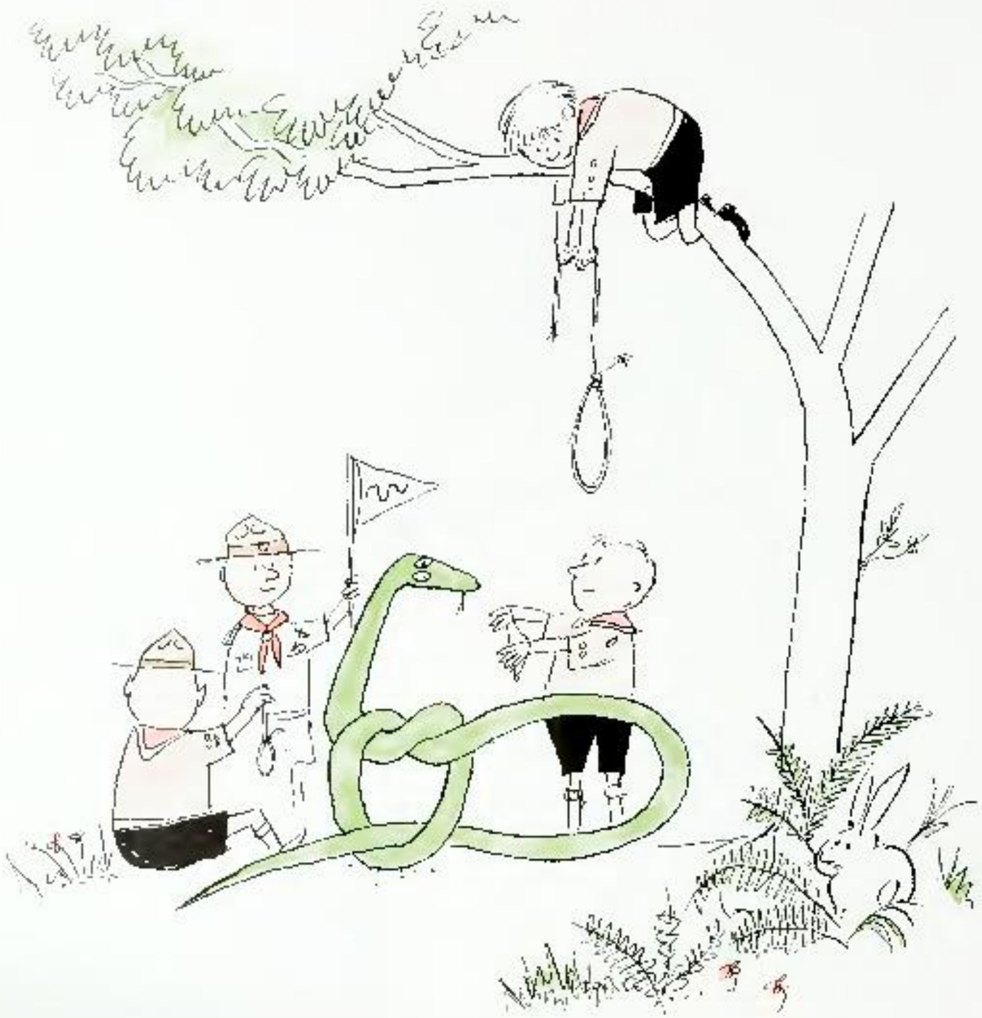




बोआ को छोटे लड़कों के साथ खेलना पसंद था



और छोटी लड़कियों के साथ भी।



उसने बॉय स्काउट्स को गाँठें सीखने में मदद की।



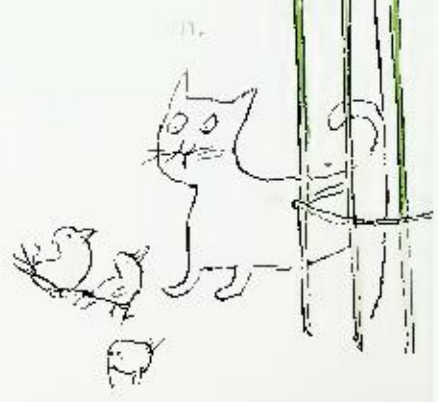
क्रिक्टर एक मददगार साँप था।



एक दिन फुटपाथ पर बने कैफ़े में मैडम बोडोट को बगल की

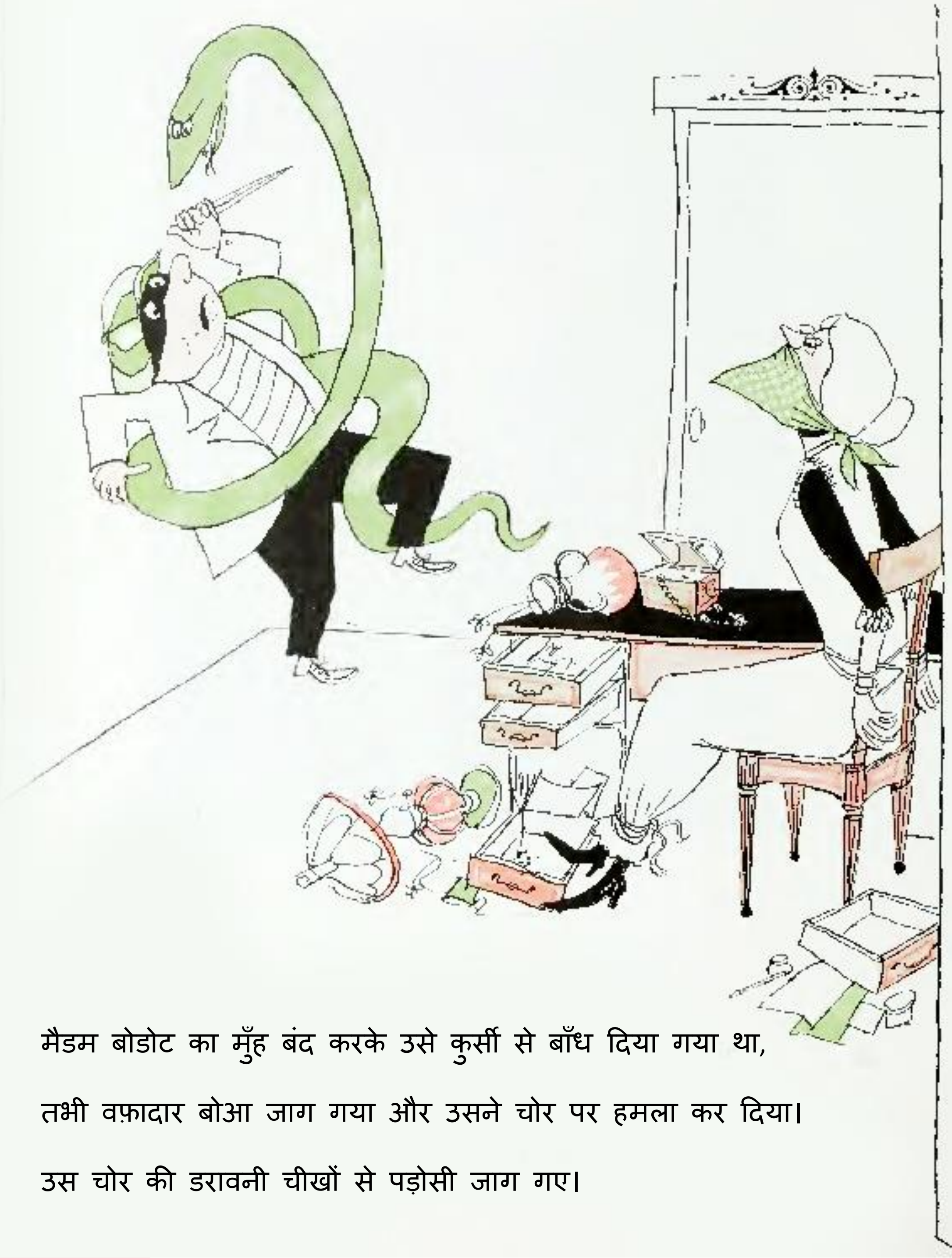
मेज़ पर बैठे एक दोस्त से पता चला

कि शहर में कई चोरियाँ हुई हैं।





उसी रात चोर उनके अपार्टमेंट में घुस आया।



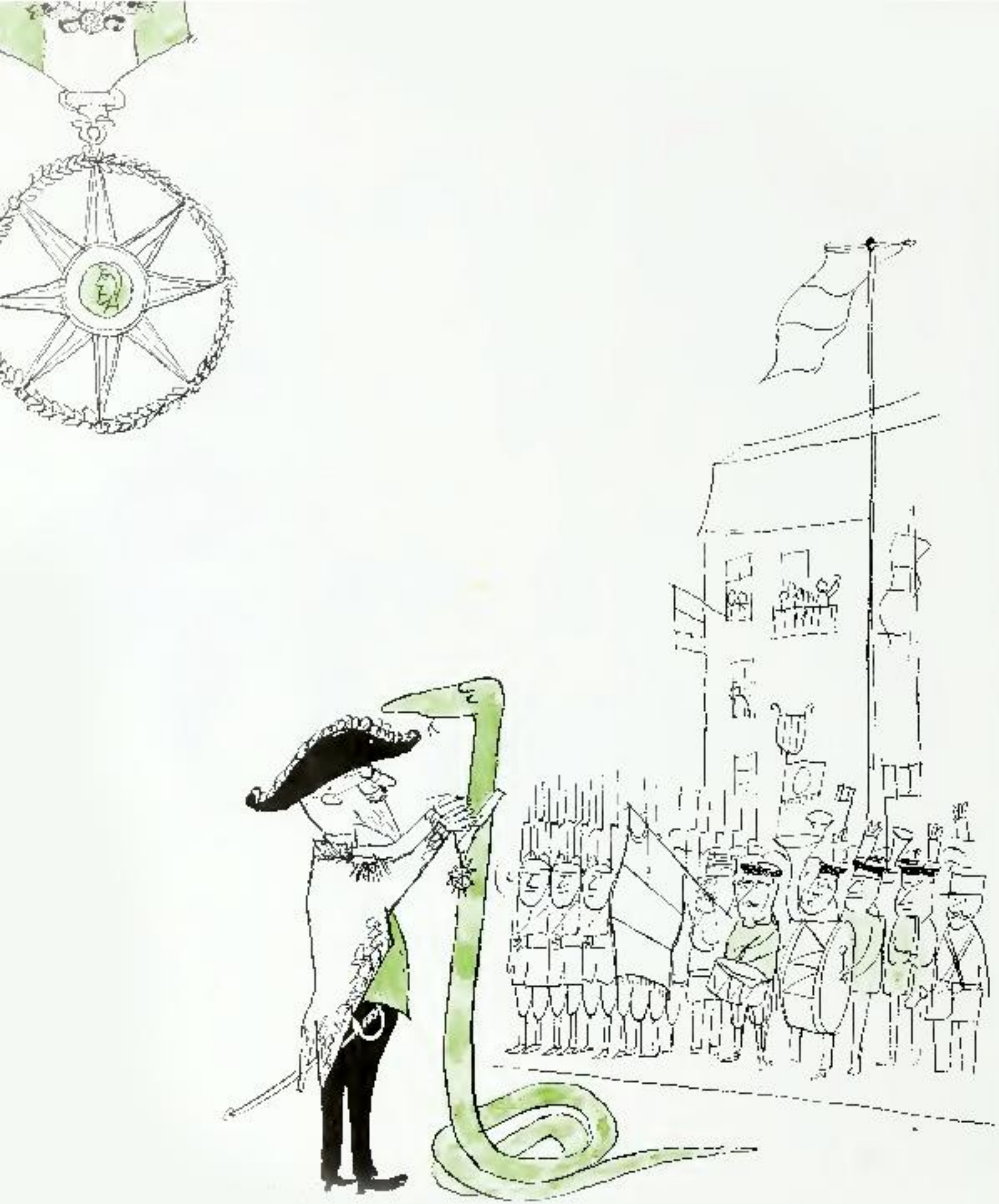
मैडम बोडोट का मुँह बंद करके उसे कुर्सी से बाँध दिया गया था,

तभी वफ़ादार बोआ जाग गया और उसने चोर पर हमला कर दिया।

उस चोर की डरावनी चीखों से पड़ोसी जाग गए।



जब तक पुलिस नहीं आ गई, क्रिक्टर उसके चारों ओर लिपटा रहा।

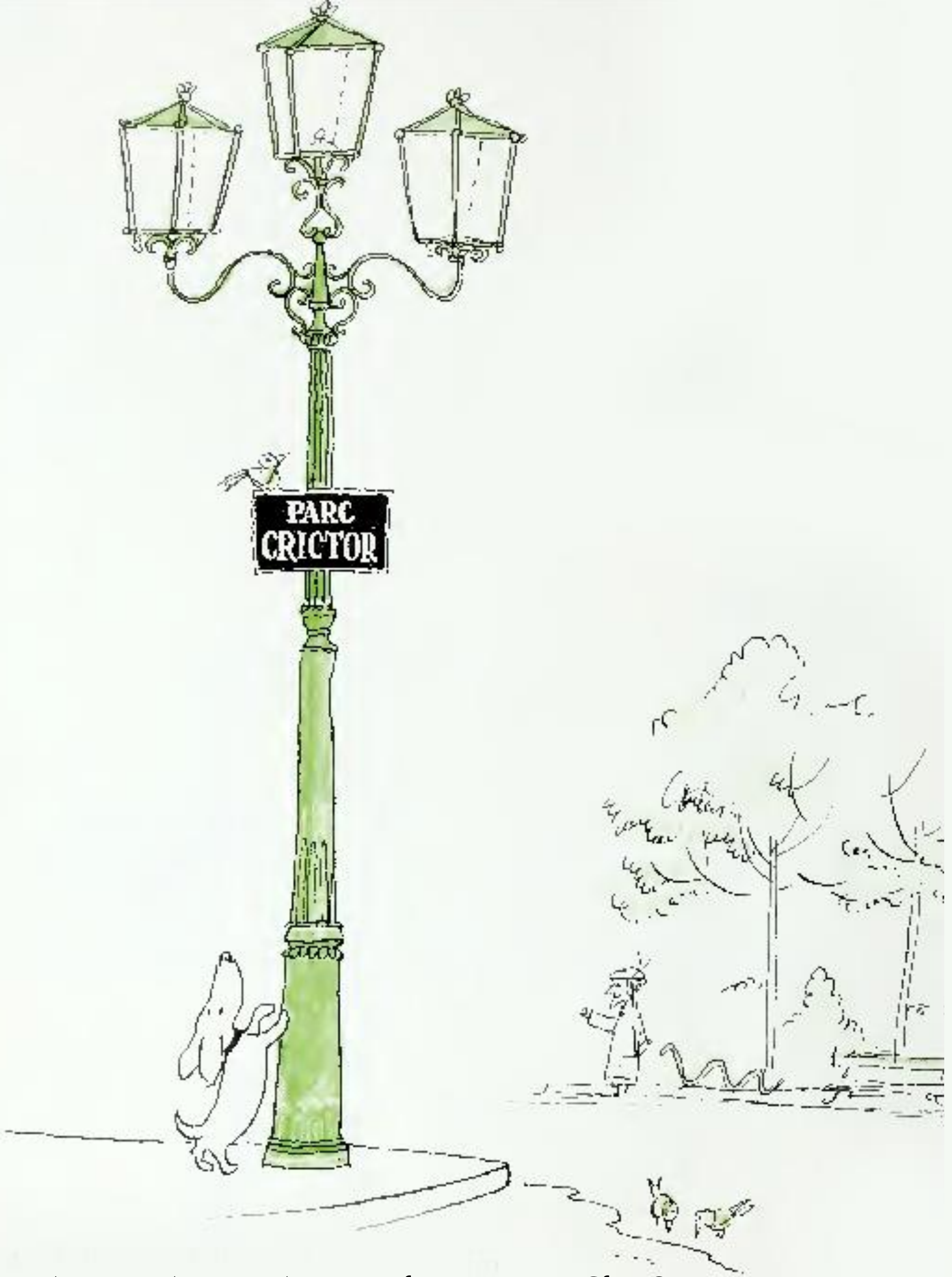


बहादुर साँप को उसकी बहादुरी के लिए एक अच्छा पदक दिया गया।



क्रिक्टर ने स्थानीय मूर्तिकार को भी

उसके सम्मान में एक मूर्ति बनाने के लिए प्रेरित किया।



और शहर ने भी उसके नाम से एक पार्क बनाकर समर्पित किया।

पूरे गाँव में प्यार और सम्मान पाने वाले क्रिक्टर ने

एक लंबी और खुशहाल ज़िंदगी जी।



क्रिक्टर एक मददगार और स्नेही बोआ-कंस्ट्रिक्टर है।

उसकी मालकिन, एक बुज़ुर्ग गाँव की स्कूल-शिक्षिका,

उसके लिए एक लंबा, बहुत लंबा स्वेटर बुनती है।

क्रिक्टर अक्षर सीखता है; बच्चे उसके साथ कूदते हैं और गाँठें बाँधने का अभ्यास करने के लिए उसका उपयोग करते हैं।

एक रात यह शांत घरेलू माहौल बिखर जाता है। एक चोर घर में घुस आता है। लेकिन क्रिक्टर की तेज बुद्धि और बहादुरी उसे बचा लेती है।